

श्री राजकुमार भार्गव,  
सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन ।

ते वा मे०, समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तर प्रदेश ।

खेलकूद विभाग ।

लखनऊ दिनांक १२ सितम्बर, ८४

विषय:- उत्तर प्रदेश के समस्त जनपद मुख्यालयों पर "जिला प्रोत्साहन सीमित" के गठन  
और कार्यान्वयन के संबंध मे० ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध मे० मुझे यह छने का निदेश हुआ है कि शासन ने खेलकूद  
के सर्वांगीण विभास के लिए उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद मुख्यालय पर "क" जिला खेलकूद  
प्रोत्साहन सीमित" गठित किये जाने का निर्णय लिया है । इस सीमित द्वारा जनपदों  
के खिलाड़ियों / क्रीड़ा कलाओं को आर्थिक सहायता तथा अन्य सुविधाएँ प्रदान की जायेगी  
खेल के विकास के लिए क्रीड़ागांग / टनमिंट हात / तरणाताल का निर्णय कराया जायेगा ।  
और खेलकूद प्रतियोगितायें भी आयोजित कराई जायेगी ।

2- आपको जिला खेलकूद प्रोत्साहन सीमित के गठन से संबंधित नियमावली की एक  
प्रति इस आशय से भेजी जा रही है कि आप इस नियमावली मे० निर्वित प्राविधानानुसार  
जिला मुख्यालय पर उक्त सीमित का तत्काल गठन छराये और गठित सीमित को रणिलद्वार  
सोसाइटीज ते पंजीकृत छराने वी कार्यवाही तुनिश्चित करे । संलग्न नियमावली मे० राज्य  
सरलार द्वारा एकानीति किये जाने वाले पदाधिकारी की सूचना आपको अलग ते घटाइयी  
भेजी जायेगी । परन्तु इसमे० सम्म लगने की संभावना है अनुरोध है कि आप पंजीकरण  
इत्यादि अधिकार कराले ताकि आगामी खेलकूद का उपयोग प्रतियोगितायें आदि  
आयोजित करने मे० संभव हो ।

भक्तीय

राजकुमार भार्गव  
सचिव ।

संख्या-स्स पी 2077/42-३८/स्स०पी०/६०/८४-तद्वदिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ स्वैं जापयक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ।
- 2- समस्त मंडलों के आयुक्त, उत्तर प्रदेश ।
- 3- समस्त जिला व तेजान जज, उत्तर प्रदेश ।
- 4- समस्त कार्यालयों के प्रमुख, उत्तर प्रदेश ।
- 5- निदेशाक, खेलकूद, उत्तर प्रदेश ।

आज्ञा से

पंज कुमार ।  
संयुक्त सचिव ।

जिला खेलकूद प्रोत्साहन समिति नियमावली, जिला पिथौरागढ़।

**संक्षिप्त नाम 1— संक्षिप्त नाम :— यह नियमावली जिला खेलकूद प्रोत्साहन समिति नियमावली पिथौरागढ़ कही जायेगी।**

**परिभाषायें 2— परिभाषायें :— इस नियमावली में जब तक प्रसंग में अन्यथा अपेक्षित न हो :—**

- (क) अध्यक्ष का तात्पर्य प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष से है।
- (ख) प्रबन्ध समिति का तात्पर्य समिति की प्रबन्ध समिति से है।
- (ग) राज्य सरकार का तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार से है।

**सदस्यता 3— सदस्यता :— समिति में निम्नलिखित होंगे :—**

- (1) जिले का जिला मजिस्ट्रेट अध्यक्ष और पदेन सदस्य होगा।
- (2) जिला खेलकूद अधिकारी / जिला प्रशासन में प्रभारी खेलकूद अधिकारी पदेन सचिव एवं कोषाध्यक्ष और पदेन सदस्य होगा।
- (3) उत्तर प्रदेश विधान सभा का एक स्थानीय सदस्य जिले राज्य सरकार खेलकूद विभाग द्वारा पदेन सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।
- (4) जिले के दो प्रमुख खिलाड़ी जिन्हें जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।
- (5) जिले के दो खेलकूद संयोजक जिन्हें जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सदस्य के नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।
- (6) ऐसे अन्य सदस्य जिनकी सदस्यता प्रबन्ध समिति द्वारा समय समय पर अनुमोदित किया जाय।

**सदस्यता फीस 4— सदस्यता फीस :— पदेन सदस्य से भिन्न अन्य प्रत्येक सदस्य समिति को प्रति कलैण्डर वर्ष एक रूपये का नाम मात्र कर चंदा देंगे।**

**सदस्यता की समाप्ति 5—**

**सदस्यता की समाप्ति :— पदेन सदस्य से भिन्न किसी अन्य व्यक्ति की सदस्यता निम्नलिखित स्थिति में समाप्त हो जायेगी :—**

- (1) उसके द्वारा प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष को त्याग पत्र देने की लिखित सूचना भेजकर उपनी सदस्यता से त्याग पत्र देने पर।
- (2) लगातार दो वर्ष तक वार्षिक चंदे का भुगतान करने में उसके द्वारा छूक किये जाने पर और इस प्रकार छूक करने के लिये प्रबन्ध समिति द्वारा उसकी सदस्यता को समाप्त करने का निर्णय लेने पर।
- (3) सदस्य की मृत्यु होने पर।
- (4) प्रबन्ध समिति द्वारा किसी सदस्य को उसके समिति के हितों के विपरीत कार्य करने के लिये निष्कासित करने पर।

**सदस्यता का कार्यकाल 6— सदस्यता का कार्यकाल :—**

- (1) समिति या प्रबन्ध समिति के सदस्य जो पदेन सदस्य से भिन्न हो दो वर्ष दी अवधि के लिए पद धृत करने और दो वर्ष की अवधि के लिए पुनः नाम निर्दिष्ट किये जाने के पात्र होंगे।
- (2) वहाँ समिति या प्रबन्ध समिति का कोई सदस्य उसके द्वारा धृत पद के आधार पर सदस्य हो, वहाँ उसकी सदस्यता उस पद पर न रहने पर समाप्त हो जायेगी और उस पद पर उसका उत्तराधिकारी ऐसा सदस्य हो जायेगा। नियम 303 के अधीन किसी सदस्य की स्थिति में सम्बद्ध व्यक्ति की सदस्यता विधानसभा का सदस्य न रहने पर समाप्त हो जायेगी और राज्य सरकार के खेलकूद विभाग द्वारा नया नाम निर्देशन किया जायेगा।
- (3) राज्य सरकार आदेश द्वारा समिति या प्रबन्ध समिति के किसी ऐसे सदस्य के स्थान पर जो उसके द्वारा धृत पद के आधार पर सदस्य किसी ऐसे व्यक्ति के रख सकती है जो तत्समय या तो उसके समकक्ष या उससे उच्च या निम्न कोटि का पद धृत कर रहा हो और इस प्रकार प्रतिस्थापित किये जाने पर प्रतिस्थापित सदस्य अवमुक्त सदस्य का स्थान ग्रहण करेगा।

**सम्पत्ति का प्रबन्ध 7— सम्पत्ति का प्रबन्ध :— समिति की आय और सम्पत्ति दोनों लंगम और स्थावर और उसके कार्यकलाप का अधीक्षण नियंत्रण और प्रबन्धन प्रबन्ध समिति में निहित होगा जो समिति के उद्देश्यों को**

**प्रबन्ध समिति 8— प्रबन्ध समिति:-**

- (क)
- (ख)
- (ग)
- (घ)
- (ङ)

**9— रिकित से किसी कार्य का अविधिमान्य न होना**

कर्तव्यों का पालन करेगी।

प्रबन्ध समिति में निम्नलिखित होंगे:-

जिला मजिस्ट्रेट— पदैन अध्यक्ष

जिला खेलकूद अधिकारी और उनके न होने पर जिले का प्रभारी खेलकूद अधिकारी कोषाध्यक्ष एवं सचिव।

विधान सभा का एक स्थानीय सदस्य को समिति के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया जाय सदस्य

जिले के दो प्रमुख खिलाड़ी जो समिति के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किये जायं— सदस्य

जिले के दो खेलकूद संयोजक जो समिति के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किये जाय— सदस्य

रिकित से किसी कार्य का अविधिमान्य न होना :-

प्रबन्ध समिति में कोई रिकित होने से उसके गठन किये जाने की विधि मान्यता पर कोई प्रभाव नहीं पढ़ेगा या प्रबन्ध समिति द्वारा ऐसी रिकित के रहने में किया गया कोई कार्य अविधिमान्य नहीं होगा।

**सामान्य निकाय की बैठक 10— सामान्य निकाय की बैठक:-**

- (1) समिति के सामान्य निकाय की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार यथासंभव फरवरी के महीने में बुलाई जायेगी जिसमें पूर्ववर्ती वर्ष में किये गये कार्य का मूल्यांकन किया जायेगा मोटे तौर पर चालू वर्ष के दौरान किये जाने वाले कार्य का अनुमोदन किया जायेगा पिछले वर्ष का लेखा अनुमोदित किया जायेगा और ऐसे निर्देश कोई दो दिये जाय जो प्रबन्ध समिति के मार्ग निर्देशन के लिये उचित समझे जाय।
- (2) सचिव, अध्यक्ष के पूर्वानुमोदन से सामान्य निकाय की बैठक किसी भी समय जब ऐसी बैठक आवश्यक या वांछनीय समझी जाय बुला सकता है।
- (3) सामान्य निकाय की बैठक के लिये दस दिन पहले नोटिस देना आवश्यक होगा।
- (4) सामान्य निकाय की बैठक के लिये गणपूर्ति संख्या तत्समय समिति के सदस्यों की कुल संख्या का एक तिहाई होगी, परन्तु गणपूर्ति न होने से कोई बैठक रिथगित किये जाने के फलस्वरूप आयोजित बैठक के लिये कोई गणपूर्ति अपेक्षित न होगी।
- (5) अध्यक्ष और उनकी अनुपस्थिति में बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा आपस में चुना गया कोई सदस्य बैठक की अध्यक्षता करेगा।

**प्रबन्ध समिति की बैठक 11— प्रबन्ध समिति की बैठक:-**

- (1) प्रबन्ध समिति की बैठक कम से कम वर्ष की प्रत्येक तिमाही में एक बार होगी, किन्तु सचिव अध्यक्ष के पूर्व अनुमोदित से प्रबन्ध समिति की बैठक जब कभी यह आवश्यक या वांछनीय समझे तीन दिन पहले नोटिस देकर बुला सकता है।
- (2) प्रबन्ध समिति की बैठक की गणपूर्ति संख्या तीन होगी किन्तु गणपूर्ति संख्या तीन होगी किन्तु गणपूर्ति न होने से कोई बैठक रिथगित किये जाने के फलस्वरूप आयोजित बैठक के लिये कोई गणपूर्ति आवश्यक न होगी।
- (3) प्रबन्ध समिति की बैठक में अध्यक्षता करने के लिये नियम 10 के खंड 5 के उपबन्ध लागू होंगे।
- (4) प्रबन्ध समिति के सभी निर्णय बहुमत से लिये जायेंगे। प्रबन्ध समिति के प्रत्येक सदस्य का एक मत होगा किन्तु बराबर बराबर मत होने की दशा में अध्यक्ष निर्णयक मत का प्रयोग कर सकते हैं।
- (5) अध्यक्ष की सहमति से किसी प्रस्ताव को सदस्यों के बीच परिचालित करके प्रबन्ध समिति का निर्णय प्राप्त किया जा सकता है और इस

#### निधि 12— निधि:-

- प्रकार प्रभावी और बाध्यकार मानों यह इस नियमावली के अधीन प्रबन्ध समिति की नियमित बैठक में पारित किया गया हो।
- (1) सदस्यों से प्राप्त चंदा और सदस्यों, अन्य व्यक्तियों और सरकारी एसोसियेशन आदि से प्राप्त दान से समिति की निधि का गठन होगा और उसका उपयोग समिति की प्रयोजन के लिये किया जायेगा जिसके अन्तर्गत जंजम और स्थावर सम्पत्ति का क्रय करना भी है।
  - (2) समिति की निधि को एक या अधिक अनुसूचित बैंकों में एक या अधिक लेखों में रखा जायेगा और उसके ऐसे भाग को जिसकी तुरन्त आवश्यकता न हो, बैंक या डाकखाने में सावधि निषेप में विनियोजित किया जा सकता है।

#### सचिव की शक्ति और उसके कर्तव्य 13— सचिव की शक्ति और उसके कर्तव्य:-

- (1) सचिव समिति का प्रधान कार्य द्वारा अधिकारी होगा और प्रबन्ध समिति के किसी सामान और विनिर्दिष्ट निर्देश के अधीन रहते हुये ऐसी सभी शक्तियों का प्रयोग और ऐसी सभी कृत्यों और कर्तव्यों का पालन करेगा जो समिति के लक्ष्य और उद्देश्य की सफलता के लिये आवश्यक या वांछनीय हो जिसके अन्तर्गत उसके द्वारा प्रारम्भ की गई कोई विशेष योजना और पर व्यय करना भी है।
- (2) प्रबन्ध समिति के पूर्ववर्ती और पाश्चातवर्ती अनुमोदन के अधीन रहते हुए सचिव को समिति की योजनाओं का निष्पादन करने या उसके लेखे रखने या लेखा परीक्षण करने के लिये अपेक्षित समिति के अधिकारियों और सेवकों को नियुक्त करने और मजदूर रखने और उनकी मजदूरी का भुगतान करने की भी शक्ति होगी।
- (3) सचिव किसी भी समय समिति के दिन प्रति दिन के कार्य को पूरा करने के लिये 200 रु० तक की धनराशि अपने पास रख सकता है। समिति के लिए और उसकी ओर से सभी संविदा और विलेख समिति के नाम से अभिव्यक्त किये जायेंगे और समिति की ओर से सचिव द्वारा निष्पादित किये जायेंगे। समिति सचिव के माध्यम से वाद ला सकती है या उस पर वाद लाया जा सकता है। समिति की ऐसे आकार और डिजाइन की एक सामान्य मोहर होगी जिसे प्रबन्ध समिति इस निमित अवधारित करें।

#### संविदा 14— संविदा:-

#### वाद 15 वाद:-

#### सामान्य मुहर 16— सामान्य:-

#### राज्य सरकार की शक्ति 17—

- (1) राज्य सरकार समिति को राज्य की सुरक्षा या पर्याप्त लोकहित से संबंधित मामलों में अपनी शक्ति का प्रयोग और कृत्यों का पालन करने के लिये समय समय पर निर्देश दे सकती है और ऐसे अन्य निर्देश दे सकती है जिसे वह समिति की वित्त व्यवस्था और उसके कार्य संचालन और कार्यों के संबंध में आवश्यक और सभीचीन समझे और इसी प्रकार किसे ऐसे निर्देश में परिवर्तन और उसे निष्प्रभाव कर सकती हैं। समिति राज्य सरकार द्वारा इस प्रकार जारी किये गये निर्देश को तुरन्त कार्यान्वित करेगी।
- (2) राज्य सरकार समिति की परिसम्पत्ति सम्पत्ति और उसके कार्यकलाप के संबंध में ऐसी शिवराशिया लेखों और अन्य सूचना मांग सकती है जो समय समय पर अपेक्षित हो और समिति उसे तुरन्त प्रस्तुत करेगी। प्रबन्ध समिति ऐसे उपविधियां बना सकती हैं जो समिति के ज्ञापन और इस नियमावली से असंगत न हो। प्रबन्ध समिति किसी भी उपविधि को संशोधित परिवर्दित या परिवर्तित भी कर सकती है या उनमें से किसी उपबंध को निकाल सकती है।

#### उपविधिया 18— उपविधिया:-

#### नियमावली का संशोधन 19— नियमावली का संशोधन:-

इस नियमावली का संशोधन राज्य सरकार की लिखित पूर्वानुमति से सामान्य निकाय द्वारा इस प्रयोजन के लिए बुलाई गई बैठक में किया जा सकता है। और ऐसी बैठक के लिए परिचालित कार्य सूची में प्रस्तावित संशोधन का विनिर्दिष्ट रूप से उल्लेख किया जायेगा।

## समिति का इापन

1- समिति का नाम

गिरा बोलबूद प्रोत्साहन समिति,  
पिधाँरागढ़

2- समिति का रजिस्ट्रीड वार्षिक

जलब्रेट {पिधाँरागढ़}

3- समिति के उद्देश्य जिसके लिये उसको स्थापना की गयी, निम्नलिखित होंगे:-

1- उत्तर प्रदेश में गिरा पिधाँरागढ़ के ऐसे प्रतिभावाती भित्ताड़ियों को प्रित्तीय तहायता देना जिन्होंने अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बोलबूद के आयोजन में भाग लिया हो और यथांकित जीवन सार के अनुस्य अपना जीवन बदलने के स्थानीय में न हों।

2- जिले के ऐसे प्रतिभावाती भित्ताड़ियों के लिये धारा और अन्य यथांकित चृच्छा को अध्यस्थान करना जिनका धर्म इस देश में बोलबूद में प्रशिक्षण प्राप्त करने का राष्ट्रीय बोलबूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये तैयार करना।

3- जिले के ऐसे भित्ताड़ियों को जिनका धर्म राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बोलबूद प्रतियोगिताओं में भाग लेने का इस देश में बोलबूद में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये तैयार करना जो लामान अध्य करने के लिये प्रित्तीय तहायता देना।

4- जिले के ऐसे उदामान भित्ताड़ियों को मासिक धारा पेतन देना जो अपनी शिक्षा के सम्बन्ध में कीस और अन्य छाँई को अध्यस्थान करने में अत्यधीन हो।

5- जिले के ऐसे बोलबूद वर्लदों को अनुदान देना जो जिले में बोलबूद प्रतियोगिता आयोजित होते हैं।

6- जिले के ऐसे बोलबूद वर्लदों को अनुदान देना जो बोलबूद के दोनों में बहुत अच्छा वार्ष कर रहे हों। जिले वह बोलबूद को प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।

7- जिले में स्टैडियम, बोल प्रतियोगिता के लिये दाना और तरणतात का नियमित आंदोलन करना जिसके द्वारा बोलबूद को अन्य देशों के बोलबूद को छोड़ा देना।

8- जिले में बोलबूद को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के बोल प्रतियोगिताओं आयोजित करना।

9- ऐसे अन्य कार्य करना जो समिति के कामी या इसी लेख को प्राप्त करने के लिये अनुकूल अनुकूलित तहायक हों।

१०.  
अधिकारी  
सदृश, प्रबन्ध समिति

—2—

समिति की नियमावली की एक प्रति जिसे शासी निकाय के तीन सदस्यों ने शुद्ध प्रति प्रमाणित किया है। समिति के ज्ञापन के साथ प्रस्तुत की जाती है।

हम कई व्यक्ति जिनके नाम और पते नीचे दिये गये हैं, इस ज्ञापन में वर्णित प्रयोगन से स्वयं संबद्ध होते हुए, एतद्वारा इस ज्ञापन में अपने नाम लिखते हैं और उस पर हम सभी अपने अपने हस्ताक्षर करते हैं और सातवें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 " अधिनियम संख्या 21, 1860 " के अधीन अपनी एक समिति का गठन करते हैं :-

दिनांक , 19

संख्या	सदस्य का नाम, पता और व्यवसाय	सदस्य के हस्ताक्षर	साक्षी नाम, पता और व्यवसाय	साक्षीके हस्ताक्षर
1	2	3	4	5
1-	V. Paul, D.M. Pethkar Ant. Lawyer	<i>V. Paul</i>	<i>Pethkar</i>	
2-	Ramdhari Chaudhary Liberator, Pithoragarh	<i>Ramdhari Chaudhary</i>	<i>Pethkar</i>	<i>Pethkar</i>
3-	Pramanand Singh (Retired) Liberator, Pithoragarh	<i>Pramanand Singh</i>	<i>SDM</i>	<i>Pithoragarh</i>
4-	Chintamani Singh (अमी) Contractor Dhamtari, Pithoragarh	<i>Chintamani Singh</i>	<i>Chintamani</i>	<i>Chintamani</i>
5-	Makda (धर्मेन्द्र) Advocate	<i>Makda</i>	<i>Advocate</i>	<i>Advocate</i>
6-	Shambhu (अमृत) Doctor Tildukar, Pithoragarh	<i>Shambhu</i>	<i>Doctor</i>	<i>Shambhu</i>
7-	S.C. M.C. M.C. Cinema Line, Pithoragarh	<i>S.C. M.C. M.C.</i>	<i>Cinema Line</i>	<i>Cinema Line</i>
8-	श. रामा रेता, Sub. Major सेना	<i>Sh. Rama Reta</i>	<i>Sub. Major</i>	<i>Sub. Major</i>
9-	Vishwanath Saini, Pithoragarh जनतंत्र (सेना, कांडा आवंड पिथौरागढ़) (राजकीय सेवा)	<i>Vishwanath Saini</i>	<i>जनतंत्र</i>	<i>जनतंत्र</i>
10-	रमेश माहरा को. ना. ७२३७, अलंग ब्रिगेड १५६। (११६)	<i>Ramesh Mahrer</i>	<i>रमेश माहरा</i>	<i>रमेश माहरा</i>

**भारत और ब्रिटेन की गति विभागों  
विभा - लियाराण्ड**

**प्राप्ति नाम**

**1- संस्कृत नाम:-**

यह विभागों के अन्तर्गत लियाराण्ड के उत्तरी भूमि का नाम है।

**प्राप्ति नाम**

**2- प्राप्ति नामों:-**

इस विभाग में बड़े उत्तरी भूमि में इनका विभाग न हो :-

1) "ग्राम्यका" का तात्पर्य प्रबन्ध लियोलि के रूपमा है।  
2) "ग्राम्य लीला" जो तात्पर्य लियोलि जो ग्राम्य लीला है।

3) "राज्य दरार" जो तात्पर्य उत्तर प्रदेश दरार है।

**प्राप्ति**

**3- उद्देश्य:-**

लोकों में समाजिक वैधि:-

1) जिसे वा जिस विषय समिक्षण, उत्तर और विवर दोनों।

2) जिस औलूद और आरोग्य/ज्ञान प्रदान के लिए उत्तर औलूद और आरोग्य का नाम है।

3) उत्तर प्रदेश विभाग का एक स्थानान्वय उद्देश्य, जिसे राज्य दरार औलूद विभाग द्वारा विवर उद्देश्य के स्थान में नाम भिक्षिणि जिस वायें।

4) जिसे के दो औलूद तैयारक जिन्हें जिस भिक्षिणि द्वारा उद्देश्य के नाम भिक्षिणि जिस वायें।

5) ऐसे उनके उद्देश्य जिनके उद्देश्य प्रबन्ध लियोलि लियाराण्ड के उनके उद्देश्य पर उन्मोदित जिस वायें।

**उद्देश्य कोड**

**4- उद्देश्य कीस**

प्रदेश उद्देश्य से भिन्न उत्तरपेठ उद्देश्य लियोलि के प्रति लोण्डर वर्षा एक साथेज्ज्ञा नाम वाच वर्षा की है।

3- जैविक संतोष:-

ऐसे अक्षय से मानव विद्या अन्य व्यक्तिर ज  
प्रत्यक्षा करने की विधि विकास करने की विधि होती है।

उसी अंके द्वारा प्रदूषण कीविति के कल्पना को  
दर्शाने वाले को जिसीसे बुझना भी उत्तम  
संवेदना से द्वायक/वय्र देने पर ।

१२६ अमारा दो कर्त्ता तब पाठिया दें ज  
निखाने वरने में उत्तरे हारा चूक दिये दाने वर  
और इस प्रधार चूक दले के लिये प्रधार लगात  
हारा उत्तरो लक्ष्यता को आप्त वरने का  
प्रयत्न है।

१३८ उद्दस्य ते मात्र लोगे वह

१४६ अर्जुन की देवता भवति तथा यह उसकी देवता हो जाएगी तो विनाश के दौरान विवरण गई होगी औ ऐसा विवरण उसके पास आपका अधिक उत्तम उपयोग होगा।

## 6. विद्युत एवं तापीय:-

मिल रहीं थीं या प्रांत के तनिल के लकड़ी को छोड़ना।  
परन्तु उसे देखने वाले दो कप्तान ने अपने दो स  
पद बूढ़े गेंगे और दो कप्तान हैं। एक द्वारा अधिक दे  
खिये गए नाम निर्दिष्ट हैं और दूसरे द्वारा कोई

दिक्षिणी रामिति या कुंभका निवास T.P.  
विद्युत ऊर्जे द्वारा बूल कर में अनाधर वह विद्युत  
हो, यहीं उन्हें विद्युत्यात् उड़ कर वह वह इन्हें वह  
पास करते हों तो गोपेणी और ऊर्जा वह उड़ाता  
जल्दी द्वारा ऐसा विद्युत छोड़ेगा। लेकिन  
303 के डायाम द्वितीय विद्युत द्वारा लिए गए  
विद्युत एवं निति द्वितीय विद्युत्यात् आ त  
विद्युत वह इन्हें वह लिया द्वारा हो गोपेणी और ऊर्जा  
अनाधर के द्वारा कुंभका विद्युत्यात् द्वारा करा  
पास किया गोपेणी।

१३६ 'राज्य तरंगार' आदेश द्वारा लिखिया था।  
 प्रधान उम्मीद ऐसी थी कि व्यासों से लदस्य के स्थान पर  
 वो उनके द्वारा कुनै पद ने आनंदार पर लहरत,  
 व्यासों से व्यक्ति वो इच्छा सज्जी है जो उत्तमव्य  
 दा वो उनके समझा वा उनसे उप्प वा निम्न  
 लोटि का पद पृथु एवं रक्षा की और वित्त प्रबोधार  
 प्रशिक्षणात्मक विद्या के पात्र एवं प्रतिकृदित सदस्य  
 उच्चमुक्त लदस्य वा स्थान ग्रहण करेगा।

तस्मात् तत् न पुनः

#### 7- लम्पांत वा प्रस्तुतः-

हमें यह भाव और सम्पोत्त द्वन्द्वों बीच में और स्वाधर और उत्तर कार्यवाप्त में अद्वारणा, निवंका निवंकण और प्रखण्ड, प्रबन्ध तमिति में निवारा दोगा जो ताप्ति के उद्देश्यों जो कार्यान्वय लगने के लिए तभी शक्तियों का प्रयोग और उन्हीं कार्यान्वयों का पालन करेगी।

卷之三

### **४- प्रृथमा विभिन्नता:-**

प्रबन्ध अधिकारी में नियमितोत्तर फ़ि-

१०८ विजा वालीस्ट्रेट - पद्मन अकादमी

जोड़ी फिरा जौलूद अधिकारा और उने न बोले  
पर वहे न गुमारा। जौलूद अधिकारी -  
कोषाराद्वयस्य संविष्ट ।

प्रकृति अधिकार संघात का एक व्यापारीय उद्देश्य होता है जो व्यापारी के उद्देश्य के स्वरूप होता है जो नाइटिंगले द्वारा उद्देश्य

एक लोके दो प्रमुख भिन्नताएँ हो सकती हैं तदनुसार क्या हैं वह निर्दिष्ट विषय-वर्ग-

इन्हें निमों के दो प्रमुख ओर्केस्ट्रा को लागति है तथा स्वयं द्वारा भी नाम निर्दिष्ट होने चाहे - तदस्य

निश्चिकता से जिता छार्ड आ  
इंडिएशन्स न छोना

१०- अरकित्त हे किंतु आर्य का शोधप्रयोगान्वय न होता:-

प्रबन्ध लिखते हैं जोई रिक्त ठाने से ज्ञाते गठन की जाने की विधिमान्यता पर जोई प्रभाव नहीं पड़ेगा था प्रबन्ध लिखते छारा ऐसो रिक्त के रहने में दिया जाए जोई अधिकारीमान्य नहीं होगा ।

सामान्य विषय का अधिक 10- सामान्य विषय का अधिक-

इसी वार्तालय के आमानव निराकरण का इठड़ वर्ष में कम हो जम एवं पार अनुसार अपनी विद्यालय के बाहर भूतार्द जायेगा जिसमें धूर्घटती वर्ष में विद्ये नवे शर्द का मत्थांक लिया जायेगा औटे तौर पर यात्रा वर्ष के दौरान लिये जाने वाले लायि का जनुसोदन लिया जायेगा, पिछले वर्ष का ऐडाए अनुसार दूसरे लिया जायेगा और ऐसे निर्देश धूर्घटती वर्ष को लोड़ हो, विद्ये नव्य तो अपनी विद्यालय के अधिकारी निर्देशन में लिये उपर्युक्त रूप से नहिं।

11-18-2046

2010年1月1日，新《企业所得税法》开始施行，企业所得税税率由原来的33%降低至25%，同时对高新技术企业实行15%的优惠税率。

मनुष्यों की विशेषता है कि वे मानवीय सेवा  
के लिए अपनी जीवन की जिम्मेदारी करते हैं। इसी  
लिए, उन्होंने अपनी जीवन की जिम्मेदारी के लिए अपनी  
जीवन की जिम्मेदारी के लिए अपनी जीवन की जिम्मेदारी के लिए

मात्र नहीं है बल्कि विद्या का अवधारणा भी है।

• 100 •

#### 一、实验设计与方法

१० अस्ति विश्वा सं विभेदाप्यप्यत्मिकोऽप्युपेतः  
विभेदात् विभेदात् विभेदात् विभेदात् विभेदात्

କେବଳ ଏହାର ମଧ୍ୟ ଏହାର ପାଦରେ  
ଦେଖିଲୁ ଯାଏନ୍ତି ଏହାର ପାଦରେ  
ଏହାର ପାଦରେ ଏହାର ପାଦରେ ଏହାର  
ପାଦରେ ଏହାର ପାଦରେ ।

3. JEFFREY GENE COOK BORN 1953  
4. JEFFREY GENE COOK BORN 1953

但說到這裏，我真要為他抱不平了。我說：「你說得對，我真該死，我真該死！」

10. इनका की रुपरेखा प्रस्ताव जो लक्षणों के अधिकारों के द्वारा लिया गया था निम्नलिखित विषयों पर आधारित है।

— 1 —

मैं अब भी ब्राह्मण नहीं हूँ, मैं अब भी ब्राह्मण नहीं हूँ, मैं अब भी ब्राह्मण नहीं हूँ।

प्रथम लिखित ही वाक्य में विद्युत का नाम नहीं दिया गया।

काम तथा वित्त और  
उनकी विधि

### 13- कामय तथा वित्त और उनकी विधि:-

इस विधिक विभाग में आम शब्द जारी जाना-  
जारी रहेगा और प्रदर्शन विधियों के लिए आम  
जारी विधियों का अधिकार रखेंगे जो देश  
का वित्तियों वा प्रधोम और ऐसे लाभ हैं जो  
और दैवत्यों वा जानवरों विषय के अधिक  
और उद्देश्य वा उपकारों के लिए जानवरों वा  
जानवरों विषय के लिए अन्तर्भूत उल्लेख जारी रखता  
है तभी नई विधियों को करा और उस पर काम  
करना चाहिए ।

12- आम लोकों के कुर्तव्यों और वायव्यावरीय  
विधियों के अन्तर्भूत रखें ज्ञान विधि वा  
को तो विधायिक रहे या उसे लेको रखाये  
वा जो आम जानवरों के लिये उपकार विधियों  
वा जानवरों और लेपनों के विषय से रखें  
और अन्य रकाये और अन्य वायव्यावरीय  
रखें जो जारी वायव्य रहें ।

13- वायव्य लोकों का काम लीभित वा जन-विधि  
दिन के शब्द हो जूरा रहने के लिये २०० रुपये  
वा इनरात्तीरा आने वा रक्षा जाना है ।

### 14- लीभित:-

लीभित के लिये डॉर ऊरुण और के आम लीभित वा  
प्रधोम विधियों के नाम से विधायिक विधि वाले जारी  
विधियों का और से वायव्य जारी विधियों की  
लीभित ।

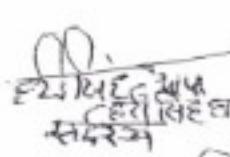
### 15- वायव्य:-

लीभित वायव्य के वायव्य से वायव्य का विकास है या  
वा उस वायव्य का विकास है ।

### 16- वायव्य कुहर:-

कुहरों का ऐसे आम और छायाइन की रुप  
वायव्य मोडर होना वैसे प्रवृत्ति लीभित इस  
नियमित उपकारात्ति वर्ते ।

### 17- वायव्य उपकार की वायव्यता:-

 वायव्य उपकार वायव्यता जो वायव्य की वृद्धि  
प्रदर्शन (दृष्टिकोण) वा प्रधोम लोबीज्ञता के विविध वायव्यों में  
संबद्ध होना वायव्यता जो प्रधोम और शूल्यों वा वायव्य  
प्रबन्ध संग्रहित होने के लिये वायव्य उपकार पर विवेद्या दे जाना है  
वा उपकार के वायव्य से वायव्यता दे जाना है ।

समिति राज्य सरकार द्वारा इस प्रकार जारी किये जाएं  
निर्देश को तुलना कार्यान्वयन करेगी।

(2) राज्य सरकार समिति की परिवर्षता, सम्बोध  
ओर उसके कार्यकालाप में वैवर्ध में ऐसी विवरणियाँ,  
जेहों और प्रबन्ध सूचना मांग सकती हैं जो सम्बन्ध पद  
उपेक्षित हो जोर समिति उसे तुलने प्रस्तुत मरेंगी।

### उपविधियाँ:-

### 18- उपविधियाँ:-

प्रबन्ध समिति इसे उपविधियाँ बना सकती हैं जो समिति के बापन और इस विकास की ओर आवेदन करेंगी।  
प्रबन्ध समिति किसी भी उपविधि को संशोधित,  
परिवर्तित या परिवर्तित नहीं कर सकती है या उनमें से किसी उपविधि को निकल सकती है।

### विधावली का संशोधन

#### 1.- निम्नावली का संशोधन:-

इस विधावली का संशोधन राज्य सरकार की निखिल शक्तिप्रबोधके सम्मान्य विधि द्वारा इस समेजन के लिए बुलाई गई बैठक में किया जा सकता है और ऐसी बैठक के लिए परिवारित कार्य सभी में फैलावित संशोधन का विनिर्दिष्ट रूप से उल्लेख किया जाएगा।

इस विधि के शासी निकाय के निम्नलिखित सदस्य यतद्वारा प्रभागित करते हैं कि यह समिति विधावली की सब्स प्रतिलिपि है:-

1- ~~मुख्यमन्त्री~~  
2- Ravelli Chandra Vende ~~Reserve Bank~~  
Liberata Karan, Pithoragarh.

- 3- ~~Tirumalai Birj Liberata Karan Tirumalai~~
- 4- ~~जागदीश उरालाली~~ Dharmashala ~~जागदीश~~
- 5- ~~महेश विज मालदर~~ Maledar Polana ~~महेश विज~~
- 6- ~~जोकुल इन्नो~~ Tildikari, Pithoragarh

- 7- ~~प. द्विघान ने~~ Cinema Line ~~प. द्विघान~~
- 8- ~~द्विघान आपा~~ Vil. Saini, Pithoragarh ~~द्विघान आपा~~
- 9- ~~जिरोन जै. अंडेश्वरी~~, अंडेश्वरी, Pithoragarh ~~जिरोन जै.~~



संख्या- 1082/वयोगित-97/38/समी/60/84

298  
21/5/97

प्रेषक,  
वैसरादून

१०५०बाजौयी,  
तथ्यकृत संचिव,  
उत्तर प्रदेश ग्रामन।

तेवा में,

तमत जिलाधिकारी,  
उत्तर प्रदेश।

हेलकूट अनुभाग

लेखक : दिनांक, 21 मई, 1997

विषय:- जनपद स्तर पर गठित जिला हेलकूट प्रोत्साहन समिति में  
एक स्थानीय विधायक का नामांकन।

xx xx xx

महोदय,

ग्रामनाटेश संख्या-समी/2077/42-38/समी/60/84, दिनांक,

12.9.84 के अधीन प्रत्येक जनपद में जिला हेलकूट स्व प्रोत्साहन समिति गठित  
है, जिसमें एक सदस्य स्थानीय विधायक भी होता है।

2- अतः उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जिला  
हेलकूट स्व प्रोत्साहन समिति में नामित किये जाने हेतु एक स्थानीय विधायक  
के नाम छा प्रस्ताव ग्रामन को शीघ्र उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,  
पंचांग

१ दै०५०बाजौयी ।  
तथ्यकृत संचिव।

प्रेषण

तां संख्या 2077/42-38/सं पी/50/84

श्री राजकुमार भार्गव,  
सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

लेखा गंगा

25 SEP 1988  
संस्कृतिपालिकारी,  
उत्तर प्रदेश।

संस्कृतिपालिकारी भाग

५४२१ क्रीड़ा काल

जिलाधिकारी

२७१०८६

लडानऊ दिनांक 12 सितम्बर, 84

विषय:- उत्तर प्रदेश के सात्त जनपद गुरुगालयों पर "जिला छोलकूट प्रोत्ताहन समिति" के गठन और कार्यान्वयन के संबंध में।

गहोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में यह कहने का निर्देश हुआ है कि शासन ने छोलकूट के सर्वांगीण विकास के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद गुरुगालय पर एक "जिला छोलकूट प्रोत्ताहन समिति" गठित किये जाने का निर्णय लिया है। इस समिति द्वारा जनपदों के विज्ञाड़ियों/क्रीड़ा क्लबों को आधिक सहायता तथा क्षय तुलिधारों प्रदान की जायेगी। छोल के विकास के लिये क्रीड़ागति/टूनमिंट हाल/तरणताल का निर्माण कराया जायेगा और छोलकूट प्रतियोगितायें भी आयोजित कराई जायेगी।

2- आपको जिला छोलकूट प्रोत्ताहन समिति के गठन से संबंधित नियमावली छोलकूट की एक प्रति इस आगाय से भोजी जा रही है कि आप इस नियमावली में निहित प्राविधानानुसार जिला गुरुगालय पर उक्त समिति का तत्काल गठन करायें और गठित समिति को रजिस्ट्रार तोसाइटीज से पंजीकृत कराने की कार्यादी सुनिश्चित करें। संलग्न नियमावली में लाज्य तरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाले पदाधिकारी की सूचना आपको अंलग ते यथागतीय भोजी जायेगी। परन्तु इसमें साथ लगने की संभावना है अनुरोध है कि आप पंजीकरण अत्यादि अविलम्ब ढंग से ताकि आगामी छोलकूट का उपयोग प्रतियोगितायें आदि आयोजित करने में संभव हो।

भवदीय

राजकुमार भार्गव,  
सचिव।

(ग्रंथ- ३९८)

तंज्या- रस परी 2077/42-38/रस परी /60/84-तदटिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाथौ एवं आवश्यक कार्यकाही हेतु प्रेषित :-

- १। समस्त विभागाध्यक्षा, उत्तर प्रदेश।
- २। समस्त डिलरों के आयुक्त, उत्तर प्रदेश।
- ३। समस्त जिला व तेजान जज, उत्तर प्रदेश।
- ४। समस्त कार्यालयों के प्रग्रुहा उत्तर प्रदेश।
- ५। निटेगांक, डौलबूद, उत्तर प्रदेश।

आज्ञा है,

पंकज कुंगार  
संयुक्त सचिव।

१३/१९/०४

१- अधिकारीका नाम:-

यह नियमाकारी जिला खेळूद प्रोव्हार्ल तमिति नियमाकारी  
जिला-४६ कहो जायेगी।

२- परिभाषा:-

इस नियमाकारी जब तक प्रत्येक में कल्याण विविधता न हो  
तु अधिकारी का तात्पर्य प्रबन्ध तमिति के अधिकारी हो है।  
इस प्रबन्ध तमिति का तात्पर्य समिति को प्रबन्ध तमिति हो है।  
इस राज्य सरकार का तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार हो है।

३- सदस्यता:-

समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

- १। जिले का जिला गांज द्वेट अधिकारी और पदेन सदस्य होगा।
- २। जिला खेळूद विधिवारी/जिला प्रशासक गे प्रभारी खेळूद विधिवारी  
पदेन सचिव एवं कोषाध्यक्ष और पदेन सदस्य होगा।
- ३। उत्तर प्रदेश विधान सभा का एक स्थानांतरण सदस्य जिसे राज्य  
सरकार के खेळूद विभाग द्वारा पदेन सदस्य के रूप में नाम  
निर्दिष्ट किया जायेगा।
- ४। जिले के दो प्रमुख चिकित्सा जिन्हें जिले के जिला गांज द्वेट द्वारा  
सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।
- ५। जिले के दो खेळूद तंत्रोजक जिन्हें जिला गांज द्वेट द्वारा सदस्य  
के रूप में नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।
- ६। ऐसे जन्य सदस्य जिनको सदस्यता प्रबन्ध तमिति द्वारा समय-समय  
पर अनुमानित की जायेगा।

४- सदस्यता की संख्या:-

पदेन सदस्य से भिन्न बन्दूप्रत्येक सदस्य समिति की प्रति क्लौन्डर वर्ष  
एक रूपये का नाम मान लेने कर बन्दा देगा।

५- सदस्य की समाप्ति:- पदेन सदस्य से भिन्न किसी बन्दूप्रत्येक की सदस्यता निम्नलिखित  
स्थिति में समाप्त हो जायेगी।

- १। उक्ते द्वारा प्रबन्ध तमिति के अधिकारी को त्यागपद्ध देने की लिखित  
हुक्म भेजकर अपनो सदस्यता से त्यागपद्ध देने पर
- २। लगातार दो वर्ष तक वार्षिक बन्दे का भुगतान करने में उक्ते द्वारा  
चूक किये जाने पर और इस प्रकार चूक करने के लिये बबन्ध तमिति  
द्वारा उक्ते सदस्यता को समाप्त करने का निर्णय लेने पर
- ३। सदस्य को मृत्यु होने पर
- ४। प्रबन्ध तमिति द्वारा किसी सदस्य को उसके समिति के द्वितीय के  
विपरीत कार्य करने के लिये निष्कासित करने पर।

६- सदस्य का कार्यकाल:-

- १। समिति या प्रबन्ध तमिति के सदस्य जो पदेन सदस्य से भिन्न हो  
दो वर्ष की अवधि के लिये पदवृत्त करेंगे और दो वर्ष की एक और  
अवधि के लिये पूनः नाम निर्दिष्ट किये जाने के पावर देंगे।
- २। जहाँ समिति या प्रबन्ध तमिति का कोई सदस्य उक्ते द्वारा घृत  
पद के आधार पर सदस्य हो, वहाँ उक्ते सदस्यता उस पद पर न  
रहने पर समाप्त हो जायेगी। और उस पद पर उक्ता उत्तराधि-  
कारी ऐसा सदस्य हो जायेगा। नियम ५०३ के अधीन किसी  
सदस्य की स्थिति में सम्बद्ध व्यक्ति की सदस्यता विधान सभा  
का सदस्य न रहने पर समाप्त हो जायेगी। और राज्य सरकार के  
खेळूद विभाग द्वारा नगा नाम निर्देश किया जायेगा।

- ३। राज्य सरकार आदेश द्वारा तमिति या प्रबन्ध तमिति के फिसी  
ऐसे सदस्य के स्थान पर जो उक्ते द्वारा घृत द के आधार पर  
सदस्य हो, कोहो किसी ऐसे व्यक्ति को रख फिसी है जो तत्काल

या तो उत्ते काकड़ा या छक्के उच्च या निम्न लोटि का पद्धत  
कर रहा हो, और इत प्रलार प्रतिस्थापन किये जाने पर  
प्रतिस्थापित सदस्य अमुक्त लद्दस्य का स्थान गृहण करेगा।  
समिति को लाय और लम्पित दोनों जांग और स्वावर और  
उत्ते का रूपलाप का अधोलण्ड नियन्त्रण और प्रबन्ध प्रबन्ध समिति  
में नियित होगा। जो समिति के उद्देश्यों का कार्यान्वयन करने  
के लिये उन्होंने शक्तियों का प्रयोग और उभो दर्तव्यों का पालन  
करेगो।

प्रबन्ध समिति में निम्न लिखित होंगे:-

१७। जिला मणि द्वेष्ट-पद्धेन लघ्यका

१८। जिला खेत्रवृद्ध अधिकारी और उनके न होने पर जिले का प्रभारी

खेत्रवृद्ध अधिकारी कोषाईधिक एवं सचिव

१९। विधान चौको का एक स्थानीय लद्दस्य जो समिति के लद्दस्य के रूप  
नामनिर्दिष्ट किया जाये-लद्दस्य

२०। जिले रुके के दो प्रमुख जिलाओं जो समिति के लद्दस्य के रूप में  
नाम निर्दिष्ट किये जाये-लद्दस्य

२१। जिले के दो खेत्रवृद्ध लैंगोजक जो समिति के लद्दस्य के रूप में नाम  
निर्दिष्ट किये जाये-लद्दस्य

प्रबन्ध समिति में कोई रिक्त रुके से उसके गठन किये जाने की  
विधिमान्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा या प्रबन्ध समिति  
द्वारा ऐसो रिक्त के रुके से किया गया कोई कार्य विधिमा-  
न्य नहीं होगा।

२२। समिति के सामान्य निकाय को बैठक वर्ष में कम से कम एक बार  
या सम्भव फ्रवरी के महीने में कुलाई जायेगी जिसमें पूववर्ती  
वर्ष में किये गये कार्य का गूल्यांकन किया जायेगा गोरे तौर पर  
चालू वर्ष के दौरान किये जाने वाले कार्य का अमोलन किया  
जायेगा। पिछले वर्ष का लेखा अमोदित किया जायेगा और  
ऐसे निर्देश यदि कोई ऐसे दिये जायें जो प्रबन्ध समिति के मार्ग  
निर्देश के लिये उचित समझे जायें।

२३। सचिव, लघ्यका के पूवन्मोदन से सामान्य निकाय को बैठक किसी  
भी समय जब ऐसो बैठक आवश्यक या वाँछोय समझे जाये कुला  
करता है।

२४। सामान्य निकाय को बैठक के लिये दस दिन पहले नोटिस देना  
आवश्यक होगा।

२५। लघ्यका और उनकी अनुपस्थिति में बैठक में उपस्थिति सदस्यों  
द्वारा यापत्ति से चुना गया कोई सदस्य बैठक को अव्यक्ता  
करेगा।

२६। प्रबन्ध समिति की बैठक बास से कम वर्ष की प्रत्येक तिमाली में  
एक बार होगी, किन्तु सचिव लघ्यका के पूवन्मोदन में से प्रबन्ध  
समिति को बैठक जब कभी वह आवश्यक या वाँछोय समझे  
3 दिन पहले नोटिस देवर कुला करता है।

२७। प्रबन्ध समिति को बैठक की गणपूर्ति संभया 3 होगी। किन्तु  
गणपूर्ति न होने से कोई बैठक स्थगित किये जाने के फल व्यर्थ

१७। समपत्ति का प्रबन्ध:-

८-प्रबन्ध समिति:-

९-रिक्त से किसी कार्य  
का विधिमान्य न  
होना

१०-सामान्य निकाय को  
बैठक:-

११-प्रबन्ध समिति को  
बैठक:-

वायोजित बैठक के लिये गणपूर्ति वाक्यक न होगी

13 प्रबन्ध समिति की बैठक में अध्यक्षता करने के लिये नियम 10  
के छठे 5 के उपचार्य जागृ होंगे।

14 प्रबन्ध समिति के सभी निर्णय बहुमत से लिये जाएंगे। प्रबन्ध समिति  
के प्रत्येक सदस्य का एक मत होगा। किन्तु बराबर-बराबर मत  
होने की दशा में अध्यक्ष निर्णयक मत का प्रयोग करता है।

15 अध्यक्ष की सहमति से किसी प्राप्ताव को सदस्यों के बीच  
परिचालित करके प्रबन्ध समिति का निर्णय समाप्त किया जा  
सकता है। और इससुकार परिचालित और बधिकाश सदस्यों  
द्वारा अमोदित प्राप्ताव उसी प्रकार प्रभावर और बाध्यका हों  
होंगे मानो वह इस नियमावली के अधीन प्रबन्ध समिति की  
नियमित बैठक में पारित किया गया हो।

16 सदस्यों से प्राप्त कन्दा और सदस्यों अन्य व्यक्तियों और  
सरकारी एवं स्थिरता गांदि ते प्राप्त दान से समिति की निधि  
का गठन होगा। और उसका उपयोग समिति के प्रयोजन के लिये  
किया जाएगा। जिसे कर्त्तव्य जाम और स्वावर समिपत्ति का  
कानून करना भी है।

17 समिति की निधि एक या बधिक अमुक्त बैठकों में समा  
एक या बधिक लेखों में रखा जाएगा। और उसके ऐसे भाग को  
जिसमें सुन्त वाक्यकारा ना हो बैक या छावनाने में सावधि  
निकेम रें चिनियोजित किया जा सकता है।

18 समिति की शक्ति और कर्तव्यः- 19 सचिव समिति का प्रधान कार्यालयी विधियार्थी होना और  
प्रबन्ध समिति के किसी आगान्य और निर्दिष्ट विनिर्दिष्ट  
निर्देश के बड़ीन रहते हुए ऐसी सभी शक्तियों का प्रयोग  
और कृत्यों और कर्तव्यों का पालन करना जो समिति के तक  
हो। उद्देश्य भी निर्दिष्ट हो लिये वाक्यका या वाँछीय हो  
जिसे बन्तर्गत उसके द्वारा प्रारम्भ हो। गई होई क्रिया वौजा  
और उस पर व्यव करना भी है।

20 प्रबन्ध समिति के पूर्ववर्ती और परचातवर्ती अमोदन के बड़ीन  
रहते हुए सचिव को समिति की योजनाओं का निष्पादन करने  
या जैवा परोक्षण या जैवा रक्तों के लिये अपेक्षित समिति के  
बधिकारियों और जैवों को नियुक्त करने और मण्डूर रजो  
और जैवों ग्रज्ञाती का भुगतान करने भी भी शक्ति होगी।

21 सचिव किसी भी समय समिति के द्वि प्रतिदिन के द्वारा  
पूरा करने के लिये 200/- तक की धरारा ज्ञने पात रख  
सकता है।

समिति के लिये और उसको और से समेत तर्दिदा और क्लिया  
समिति के नाम से अभियक्त किये जाएंगे। और समिति को  
और से सचिव द्वारा निष्पादित किये जाएंगे।

समिति सचिव के माध्यम से बाद ना रक्तों है या उस पर बाद  
लाया जा सकता है।

समिति की ऐसे बाकार और छियाल को एक सामान्य मुहर  
होगी जिसे प्रबन्ध समिति इस नियमित व्यवस्था करें।  
राज्य सरकार समिति की राज्य की सुरक्षा या पर्याप्त ज्ञानालित  
से संविधि मामलों में असी शक्ति या प्रयोग और कृत्यों का कानून  
पालन करने के लिये समय-समय पर निर्देश दे सकतों है और वन्य  
निर्देश दे सकतों है जिसे बद समिति को वित्त व्यवस्था और  
उसके द्वारा संपालने और कार्यों के कानून में आवश्यक और समीचोन  
करें और इसी प्रकार किसी ऐसे निर्देश में परिचर्ता शैर उसे  
निष्पुर्भाव कर सकती है। समिति राज्य सरकार द्वारा

## 12-निधि:-

## 13-समिति की शक्ति और कर्तव्यः-

## 14-सर्विदा:-

## 15-वाद:-

## 16-आगान्य मुहरः-

## 17- राज्य सरकार की शक्ति:-

हाजर इत प्रकार जारी किये गये निर्देशों को तुरन्त लागू किवा  
करेगी।

१२। राज्य सरकार समिति को परिकल्पित, सम्पर्कित और उसे  
कार्यकारप के सम्बंध में ऐसों प्रिपरेषणों लेखों और अन्य दृष्टा या  
माँग करतो हैं जो अध्य-समय पर वर्णित हो और समिति उसे  
तुरन्त प्रश्नत करेगी।

१८-उपचिह्नियों:-

प्रबन्ध समिति ऐसों उपचिह्नियों का लक्ष्य है जो समिति के  
साफ़ा और इस नियमाकारों से बँगल न हो। प्रबन्ध समिति  
किसी भी उपचिह्नि को शोधित परिवर्तित या परिवर्तित भो  
कर लक्ष्य है या इनमें से किसी उपबन्ध को निलाल लक्ष्य है।  
इस नियमाकारों का शोध सरकार को लिखा पूर्व-  
नुसति से सामान्य नियाय द्वारा इस प्रयोजन के लिये क्राई  
गई बैठक में किया जा लक्ष्य है और ऐसो बैठक के लिये  
परिषिक्त कार्य दृष्टि में प्रख्यात शोध का विनिर्दिष्ट  
लम्बे तकलीफ लिया जाएगा।

इस समिति के लक्ष्यों नियाय के निम्नलिखित कदम्य एवं दूसरा  
प्रमाणित करते हैं कि यह समिति को नियमाकारों की सेव्य  
प्रतिलिपि है:-

कदम्य का नाम और पता

कदम्य के द्वाकर

१- श्री कन्दु अवारो अध्याठो, केनोच ड्रोडा अधिकारी, नेरठ। *(ट्रॉफी क्रॉप)*

२- श्री विष्म निर्देश त्यागी, साचव, जिला डेवलप मॉन, नेरठ। *(ट्रॉफी क्रॉप)*

३- श्री ~~कमोकन्दु जौह~~, इन्होंने इनिया प्राइवेट लिंग, नेरठ। *(ट्रॉफी क्रॉप)*

४- श्री अरोन मिशा, संयुक्त समिक्ष, एप्रॉएफोटिक,

*Affidh*

दिनांक 1984

MEMORANDUM OF ASSOCIATION

1. Name of the Society - KILA KHELKUD PROTSAHAN SAMITI  
( Name of the District ) . Q.D.U. . . . .
2. Registered Office of the Society . . . Q.D.U. . . . .  
( Name of the District )
3. The objects for which the Society is established are:-
- (1) To give financial assistance to such outstanding Sportsmen of the District of . . . Q.D.U. . . . . in Uttar Pradesh (hereinafter called 'the District') as have participated in State, National and International Sports meets and are not in a position to earn their livelihood to a reasonable standard of living.
- (2) To provide travelling and other reasonable expenses to such promising sportsmen of the District as are selected, for training in sports in this country to participate in the State or National Sports meets.
- (3) To assist monetarily in purchase of sports material by such sportsmen of the District as are selected, to take part in State, National and International Sports meets or for training in sports in this country.
- (4) To give monthly stipends to such promising sportsmen of the District as are unable to afford fees and other expenses on their education.
- (5) To give grants to such sports clubs of the District as organise sports tournaments in the District.
- (6) To give grants to such Sports clubs of the District as are doing verywell in the field of, sports to enable their participation in the sports tournaments is concerned.
- (7) To promote sports in the District by constructing stadium, Tournament halls and swimming pools and by providing other sports facilities.

RULES OF THE ZILA KHELKUD PROTSAHAN SAMITI.....District.

1. Short Title These Rules may be called the Rules of the ZILA Khekkud Protsahan Samiti .D.P.W....District.
2. In these Rules unless the context otherwise requires:-
- (a) 'Chairman' means the Chairman of the Managing Committee.
- (b) 'Managing Committee' means the Managing Committee of the Samiti.
- (c) 'State Government' means the Government of the Uttar Pradesh.
3. Membership: The Samiti shall consist of the following:-
- (1) The District Magistrate of the District as Chairman and ex-officio member;  
*On R.S.*
- (2) The District Sports Officer/Officer Incharge sport in District administration as ex-officio Secretary-cum-Treasurer and ex-officio member;
- (3) One Local Member of the U.P. Legislative Assembly to be nominated by the Department of Sports of the State Government as ex-officio member.
- (4) Two Prominent Sportmen of the District to be nominated by the District Magistrate of the District as members;
- (5) Two Sports organisers of the District to be nominated by the District Magistrate of the District as members.
- (6) Such other members as the Managing Committee may approve to be admitted to the membership from time to time.
4. Membership Fee-Every Member other than an ex-officio member shall pay to the Samiti a nominal subscription of Rs. 1/- every Calender year.
5. Termination of Membership:- The Membership of a person other than an ex-officio member shall terminate :-
- (1) Upon his resigning his membership by sending a written  
... .3/-

communication to that effect to the Chairman of the Managing Committee,

ABR

- (2) Upon his making default in payment of annual subscription for two consecutive years and upon the managing committee taking a decision to terminate his membership for such default;
- (3) Upon the death of the Member;
- (4) Upon the Managing Committee resolving to expel a member for acting against the interests of the Samiti.

*Hansdilli*  
6. Term of Members:-

- (1) The nominated Members of the Samiti or the Managing Committee, other than ex-officio Members shall hold office for a period of two years and shall be eligible for re-nomination for another term of two years.
- (2) Where a member of the Samiti or of the Managing Committee is member by virtue of the Office he holds, his membership shall terminate when he ceases to hold that Office and the successor to that office shall become such member. In the case of a member under rules 3(3) the membership will cease upon the person concerned ceasing to be member of the Legislative Assembly and fresh nomination will be made by the Department of Sports of the State Government.
- (3) The State Government may by order substitute any member of the Samiti or of the Managing Committee, who is a member by virtue of the Office he holds, by any person for the time being holding office whether equal or higher or lower in rank and upon such substitution the substituted member shall take the place of the relieved member.

*M.S. Salvi*  
*D.S.*

7. Management of Property. The superintendence, control and management of the income and property of the society both movable

and immovable and of its shall vest in the Managing Committee, which shall exercise all powers and perform all duties for carrying out the objects of the Samiti.

8. Managing Committee:- The Managing committee shall consist of :-

- (a) The District Magistrate-Ex-Officio Chairman.
  - (b) The District Sports Officer and in his absence Officer-Incharge sports of District D.D.U.W. Treasurer-cum-Secretary.
  - (c) The Local Member of the Legislative Assembly nominated as the member of the Samiti-member.
  - (d) The two Prominent Sportsmen of the District nominated as members of the Samiti-Members.
  - (e) The Two sports Organisers of the District nominated as members of the Samiti-Members.
9. Vacancy not to invalidate action:- The existence of any vacancy in the Managing Committee shall not effect the validity of its constitution invalidate any action taken by the Managing committee during the existence of such vacancy.

10. Meeting of the General Body:-

- M.L.B.  
P.C.E.*
- (1) A meeting of the General body of the Samiti shall be called atleast once in a year as far as possible in the month of February, to transact the business of taking stock of the work done during the preceeding year, approving in abroad way, the work to be done in the current year, approving the accounts of the prodeding year, and giving such directions, if any, as it may deem fit for the guidance of the Managing Committee.
  - (2) The Secretary, with prior approval of Chairman may call a meeting of the general body at any time if such a meeting is found necessary or desirable.

- (3) Ten days prior notice shall be necessary for a meeting of the General body.
- (4) The quorum at the meeting of the General Body shall be one third of the total number of members for the time being of the Society, provided that no quorum will be required at a meeting held upon adjournment of a meeting for want of quorum.
- (5) The Chairman, and in his absence, the member chose by the members present at the meeting, from amongst themselves shall preside the meeting.

*Haworth*

11. Meeting of the Managing Committee:-

- (1) The Managing committee shall meet at least once in every quarter of the year but the secretary with previous approval of the Chairman may call a meeting of the Managing Committee whenever he finds it necessary or desirable, by three days previous notice.
- (2) The quorum for a meeting of the Managing Committee shall be three but no quorum will be necessary for a meeting held upon adjournment of meeting for want of quorum.
- (3) For presiding at a meeting of managing committee provision of clause (5) of Rule 10 shall apply,
- (4) All decisions of the Managing Committee shall be taken by majority of the votes. Each member of the Managing Committee shall have one vote but the Chairman may exercise a casting vote in case of a tie.
- (5) The decision of the Managing Committee may, with the consent of the Chairman, also be obtained by circulating the proposal to the members and any proposal so circulated and approved by a majority of the members shall be as effectual and binding as if it had been passed at a regular meeting of the Managing Committee under these rules.

*Abdullah*

12. Funds:-

- (1) The subscriptions received from the members and donations . . . . ./-

Received from members and other individuals, Government associations, etc. shall constitute the funds of the Samiti and shall be utilised for the purposes of the Samiti including purchase of movable and immovable property.

- (2) The funds of the Samiti shall be kept in one or more accounts with one or more of the seduled Banks and such portion thereof as may not be needed immediately may be invested in fixed deposits with Bank or in Post Office.

13. Powers and Duties of the Secretary:-

- (1) The Secretary shall be the principal executive office of the Samiti and subject to any general or special directions of the Managing Committee, shall exercise all powers and perform all functions and duties, as may be necessary or desirable, for furthering the aims and objects of the Samiti including any special ~~any~~ scheme, undertaken by it and to incur expenditure thereon.
- (2) Subject to prior or Subsequent approval of the Managing Committee. The Secretary shall have the power to make appointments of Officers and servants of the Samiti required for executing its schemes or maintaining or Auditing its accounts and also to engage labourers and to pay their wages.
- (3) The Secretary may keep with himself cash at any time upto 200/- for meeting the day to day expenses of the Samiti.

14. CONTRACTS:-

All contracts and deeds for and on behalf of the Samiti shall be expressed in the name of the Samiti and shall be executed by the Secretary on behalf of the Samiti.

15. Suits:- The Samiti may sue or be sued through the Secretary.

16. Common seal:- The Samiti shall have a common seal of such make and design as the Managing Committee shall determine in this behalf.

17. Power of State Government:-

- (1) The State Government may from time to time issue directives to the Samiti as to exercise and performance of its functions in matters involving the security of the State or substantial public interest and such other directives as it may consider necessary and expedient in regard to the finances and conduct of business and affairs of the Samiti and in like manner may vary and annul any such directive. The Samiti shall give immediate effect to the directive so issued by the State Government.

*Atul Chaturvedi*  
(Atul Chaturvedi)  
PPM Chairman K.P. Samuel  
and Dun

*M.S. Sahi*  
*DPS*

17. The State Govt. may call for such returns, accounts and other information with respect to the assets, properties and activities of the Samiti as may be required from time to time, and the Samiti shall immediately furnish the same.

18. Bye laws

The Managing Committee may frame bye-laws not inconsistent with the Memorandum of Association and these Rules. The Managing Committee may also amend, add to, alter, or delete any of such byelaws.

19. Amendment of Rules

These Rules may, with the previous written approval of the State Govt., be amended by the General body at its meeting called for the purpose and the agenda circulated for such meeting shall specifically mention the amendment proposed.

We the following members of the Governing body of the Samiti, do hereby certify that this is a true copy of the Rules of Association of the Samiti.

Sl No. Names and Address of Members Sign. of Members

1. ATUL CHATURVEDI

2. R.K. MEHROTRA, Distt. Sports Officer  
Secretary cum Treasurer Z.K.P. School

3. S.K. Vohra The Dron School  
Dabri Dara

Dated , 1984.